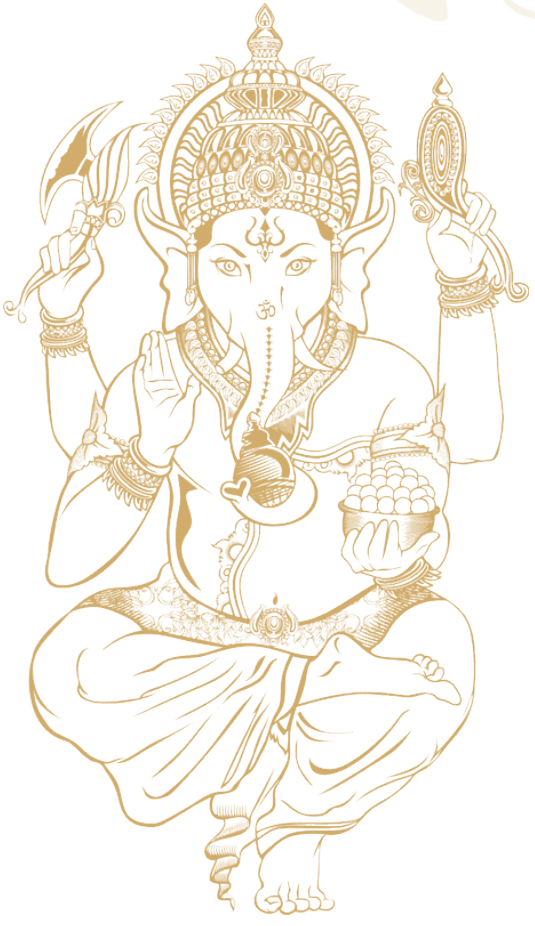

Tanuja

25 Apr 2005

09:05 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121591903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25/04/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	07:55:01 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:35:56 घंटे
वेलान्तर	00:02:02 घंटे
साम्पातिक काल	22:48:57 घंटे
सूर्योदय	05:54:59 घंटे
सूर्यास्त	18:59:34 घंटे
दिनमान	13:04:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:06:19 मेष
लग्न के अंश	01:53:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:53:04	337:33:45	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मेष	11:06:19	00:58:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			तुला	20:20:18	13:45:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			कुंभ	01:44:08	00:43:33	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			मीन	14:06:57	00:54:06	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	17:24:55	00:06:32	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	17:33:08	01:14:04	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			मिथु	27:30:16	00:03:34	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	28:52:09	00:00:58	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	28:52:09	00:00:58	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	15:49:20	00:02:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:30:19	00:00:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:21:57	00:00:53	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	16:49:26	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:45

लग्न-चलित

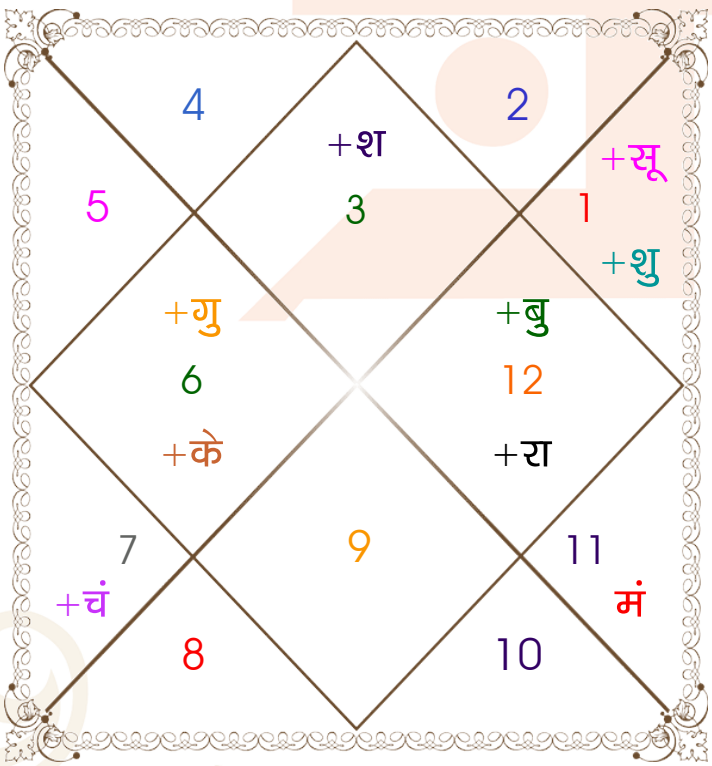

चन्द्र कुंडली

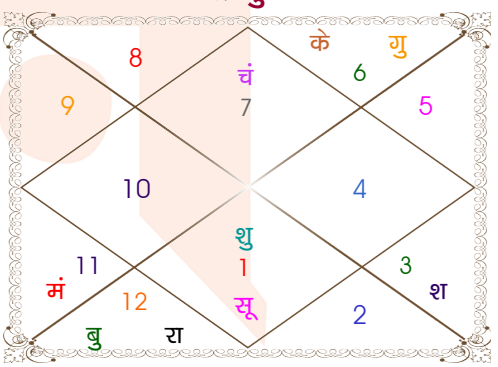

नवमांश कुंडली

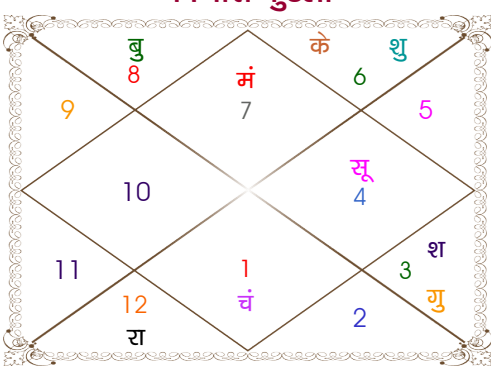

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 7 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/04/2005		28/11/2020		28/11/2039		28/11/2056		28/11/2063	
28/11/2020		28/11/2039		28/11/2056		28/11/2063		28/11/2083	
गुरु	16/01/2007	शनि	01/12/2023	बुध	26/04/2042	केतु	26/04/2057	शुक्र	30/03/2067
शनि	29/07/2009	बुध	10/08/2026	केतु	23/04/2043	शुक्र	26/06/2058	सूर्य	29/03/2068
बुध	04/11/2011	केतु	19/09/2027	शुक्र	21/02/2046	सूर्य	01/11/2058	चंद्र	28/11/2069
केतु	10/10/2012	शुक्र	19/11/2030	सूर्य	28/12/2046	चंद्र	02/06/2059	मंगल	28/01/2071
शुक्र	11/06/2015	सूर्य	01/11/2031	चंद्र	29/05/2048	मंगल	29/10/2059	राहु	28/01/2074
सूर्य	29/03/2016	चंद्र	01/06/2033	मंगल	26/05/2049	राहु	15/11/2060	गुरु	28/09/2076
चंद्र	29/07/2017	मंगल	11/07/2034	राहु	13/12/2051	गुरु	22/10/2061	शनि	28/11/2079
मंगल	05/07/2018	राहु	17/05/2037	गुरु	20/03/2054	शनि	01/12/2062	बुध	28/09/2082
राहु	28/11/2020	गुरु	28/11/2039	शनि	28/11/2056	बुध	28/11/2063	केतु	28/11/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/11/2083		28/11/2089		28/11/2099		29/11/2106		29/11/2124	
28/11/2089		28/11/2099		29/11/2106		29/11/2124		00/00/0000	
सूर्य	17/03/2084	चंद्र	28/09/2090	मंगल	26/04/2100	राहु	11/08/2109	गुरु	26/04/2125
चंद्र	15/09/2084	मंगल	29/04/2091	राहु	15/05/2101	गुरु	05/01/2112		00/00/0000
मंगल	21/01/2085	राहु	28/10/2092	गुरु	21/04/2102	शनि	11/11/2114		00/00/0000
राहु	16/12/2085	गुरु	27/02/2094	शनि	31/05/2103	बुध	30/05/2117		00/00/0000
गुरु	04/10/2086	शनि	28/09/2095	बुध	27/05/2104	केतु	18/06/2118		00/00/0000
शनि	16/09/2087	बुध	27/02/2097	केतु	23/10/2104	शुक्र	17/06/2121		00/00/0000
बुध	23/07/2088	केतु	28/09/2097	शुक्र	23/12/2105	सूर्य	12/05/2122		00/00/0000
केतु	28/11/2088	शुक्र	30/05/2099	सूर्य	30/04/2106	चंद्र	11/11/2123		00/00/0000
शुक्र	28/11/2089	सूर्य	28/11/2099	चंद्र	29/11/2106	मंगल	29/11/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 7 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।